प्रीत ये निभानी पड़ेगी | By Naresh Narsi

प्रीत यह निभानी पड़ेगी
तुम्हें प्रीत मेरी निभानी पड़ेगी
मुझे श्याम अपना बना कर तो देखो
बिछा दूंगा पलके राहों में तेरी
कभी मेरी कुटिया में आकर तो देखो

यह दहलीज घर कि तुम्हें ही पुकारे
आजा कन्हैया गरीबों के द्वारे
भला हूं बुरा हूं मैं जैसा तुम्हारा
मेरी गलतियों को छुपा कर तो देखो

मैं नरसी नहीं हूं नहीं मैं सुदामा
मगर श्याम तुमको पड़ेगा निभाना
तुम्हारे चरण में पढ़ा हूं मैं दाता
जरा अपनी नजरें झुका कर तो देखो

यह किस बात की तुम सजा दे रहे हो
खाटू में बैठे मजा ले रहे रहो
नहीं भूल पाओगे हमें श्याम सुंदर
नहीं जो यकीन तो बुला कर तो देखो

मेरा जिस्म जान अब अमानत है तेरी
मैं तेरा रहूंगा जमानत है मेरी
अगर जान मांगो तो अभी जान दे दूं
कभी नरसी को आजमा कर तो देखो

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%aa%e0%a5%8d%e0%a4%b0%e0%a5%80%e0%a4%a4-%e0%a4%af%e0%a5%87-%e0%a4%a8%e0%a4%bf%e0%a4%ad%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a5%80-%e0%a4%aa%e0%a4%a1%e0%a4%bc%e0%a5%87%e0%a4%97%e0%a5%80-by-naresh-narsi/